	नहीं आया। [illegible] लगाई गई किसी ने कोई [illegible] पेश नहीं किया। अतः नियम [illegible] कार्यवाही अमल में लाई जाती है। पत्रावली वास्ते कार्यवाही दिनांक 17/1/25 को पेश हो। [illegible] जिला झुंझुनूं (राज.)
17/1/25	पक्षकार पेश हुए नकल/... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है/ प्रकरण पर है। पत्रावली पर आदेशानुसार दिनांक 21/2/25 को पेश हो।
21/2/25	पक्षकार पेश हुए नकल/... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है/ प्रकरण पर है। पत्रावली पर आदेशानुसार दिनांक 28/3/25 को पेश हो।
28/3/25	पक्षकार पेश हुए नकल/... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है/ प्रकरण पर है। पत्रावली पर आदेशानुसार दिनांक 9/5/25 को पेश हो।
9/5/25	पक्षकार पेश हुए नकल/... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है/ प्रकरण पर है। पत्रावली पर आदेशानुसार दिनांक 26/6/25 को पेश हो।
26/6/25	पक्षकार पेश हुए नकल/... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है/ प्रकरण पर है। पत्रावली पर आदेशानुसार दिनांक 14/7/25 को पेश हो।
14/7/25	पत्रावली पेश हुई। वकील अप्रार्थी/कार [illegible] बहस सुनी गई। पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। सभी [illegible] द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पत्र आदेश 1 नियम 10 सी.पी.सी. के जवाब के प्रस्तुत होने

Signature Not Verified
Digitally signed by Suman Devi
Date: 2025.08.01 16:41:21 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म | नम्बर जो इस

के उपरान्त पक्षकार बनाये जाने का कथन
सही पाये जाने का कथन सही पाये
जाने पर प्रार्थना पत्र स्वीकार किया
जाता है। तथा इसी अनुसार वाद पत्र
में प्रस्तुत संशोधित वाद पत्र के आधार
पर प्रति. सं. 1/1 पक्षकार बनाया जाता है।
बहस, एवं पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड
व दस्तावेजात का गहनतापूर्वक मनन
करने के उपरान्त यह न्यायालय
उचित पाता है कि वाद पत्र के तहत
वादीगण द्वारा चाहा गया अनुतोष
उचित नहीं पाया जाता है। कि प्रतिवादी
संख्या 1/1 (सत्यपाल-चाहर) द्वारा प्रस्तुत
रिकार्ड गोदनामा सक्षम अधिकारी द्वारा
तस्दीक होने की स्थिति में सही पाया
गया है। तथा इसी आधार पर प्रतिवादी
संख्या 1/1 गोदनामे के आधार पर
राजस्व रिकार्ड में दर्ज प्रति. संख्या 1
भल्ले सिंह का दत्तक पुत्र दर्ज करने
का अधिकारी है। अत: न्यायालय वादीगण
द्वारा प्रस्तुत [illegible] तथ्यो को साबित
नहीं होने [illegible] वादीगण
खारिज किये जाने का आदेश दिया जाता
है। साथ ही प्रति. संख्या 1/1 सत्यपाल
चाहर को भल्ले सिंह की खातेदारी भूमि
में दत्तक पुत्र के रूप में वारिस घोषित

Signature Not Verified
Digitally signed by Suman Devi
Date: 2025.08.01 16:41:21 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुय
	किये जाने के आदेश दिये जाते है पत्रावली में मूल वाद में अन्तिम डिक्री हो चुकी है अत: इस प्रार्थना पत्र को आगे चलाया जाना उचित नही है इसी स्तर पर प्रार्थना पत्र निस्तारित किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Suman Devi
Date: 2025.08.01 16:41:21 IST
Reason: SelfAttested